रविवार
24 दिसम्बर 2023

पृष्ठ 4
सीडलेस एप्रीकॉट और खुबानी के सेवन से होगी रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी

पृष्ठ 5
पुलिस वर्दी में खूब जचे सिद्धार्थ संग शिल्पा

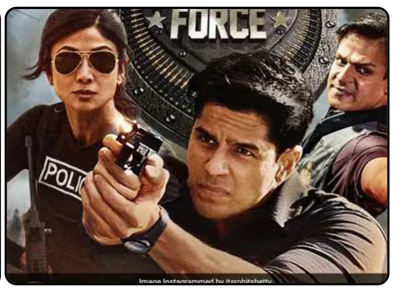

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 309
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

आज का विचार

पाषाण के भीतर भी मधुर स्रोत होते हैं, उसमें मदिरा नहीं शीतल जल की धारा बहती है।
– जयशंकर प्रसाद

- भू कानून व मूल निवास का मुद्दा -

दून की सड़कों पर उमड़ा जन सैलाब

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में सशक्त भू कानून और मूल निवास प्रमाण पत्र के मुद्दों को लेकर राज्य के तमाम राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों द्वारा स्वाभिमान महारैली का आयोजन किया गया। भले ही इसका आयोजन किसी एक दल या संगठन द्वारा नहीं किया गया था, लेकिन इस स्वाभिमान महारैली में जिस तरह हजारों की संख्या में जन सैलाब उमड़ा उसने दून के लोगों को राज्य आंदोलन की याद दिला दी।

रैली के संयोजक व मूल निवास भू कानून समन्वय समिति के सदस्यों का कहना है कि हमने किसी को नहीं बुलाया है। आज जो भीड़ इस महारैली में दिख रही है वह सब स्फूर्त है। राज्य के कोने-कोने से लोग स्वयं यहां आए हैं

●राज्य भर से हजारों की संख्या में पहुंचे लोग
●समिति का गठन नहीं चाहिए, यह बताएं कानून कब ?

और उनका उद्देश्य राज्य की सरकार को कुंभकर्णी नींद से जगाना है। इस रैली में राज्य के 50 से अधिक सामाजिक संगठनों के लोगों ने भाग लिया वहीं कांग्रेस सहित तमाम गैर भाजपा दलों ने अपना सक्रिय समर्थन दिया है।

समिति के संयोजक मोहित डिमरी का कहना है कि आज राज्य के लोग राज्य के हालात देखकर हैरान परेशान है भले ही राज्य में कितना भी विकास हुआ

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

भाजपा ने निकाली 'मोदी है न' पदयात्रा

विशेष संवाददाता

देहरादून। मैं हूं न, की तर्ज पर आज भाजपा ने राजधानी में 'मोदी है न' पदयात्रा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने भी भाग लिया अपनी चुनावी तैयारियों को धार देने के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा द्वारा आयोजित इस पदयात्रा का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को पार्टी से जोड़ना और आकर्षित करना था। पदयात्रा में मुख्यमंत्री धामी के शामिल होने से युवाओं में भारी उत्साह देखा गया।

❏धामी बोले युवाओं की भावनाओं के अनुरूप लेंगे फैसले
❏भाजपा की पदयात्रा में युवाओं की दिखी भीड़

कार्यक्रम की रूपरेखा पहले ही तय की जा चुकी थी। मूल निवास और भू कानून मुद्दो पर सामाजिक और राजनीतिक दलों द्वारा जो स्वाभिमान महारैली आज आयोजित की गई उसके साथ ही भाजपा की इस पदयात्रा को लेकर कई तरह के आरोप भी लगाये गये थे। भाजपा की यह पदयात्रा

'मोदी है न' पवेलियन मैदान से शुरू हुई जो दर्शन लाल चौक होती हुई घंटाघर पहुंची, जहां हिमालय पुत्र स्वर्गीय इंद्रमणि बडोनी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किए गये। इसके बाद यह यात्रा राजपुर रोड होती हुई दिलाराम चौक न्यू कैंट रोड होकर हाथी बड़कला स्थित सर्वे मैदान पर जाकर समाप्त हुई।

इस अवसर पर मीडिया द्वारा मुख्यमंत्री धामी से जब सामाजिक संगठनों और विपक्षी दलों द्वारा

◀◀ शेष पृष्ठ 3 पर

आतंकवादियों ने सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी को मारी गोली

जम्मू। जम्मू कश्मीर में आतंकवादियों ने एक बार फिर नापाक हरकत की है। आतंकवादियों ने बारामूला के गैंटमुल्ला, शीरी में एक सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी मोहम्मद शफी की गोली मारकर हत्या कर दी है। मोहम्मद शफी जब मस्जिद में अजान दे रहे थे तो इस आर्तकियों ने यह कायराना हरकत की और उन्हें गोली मार दी। इस दौरान शफी घायल हो गए बाद में उनकी मौत हो गई। इस आतंकी हमल के तुरंत बाद ही सुरक्षाबलों पूरे इलाके को घेर लिया और आतंकी हमले में

शामिल आर्तकियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। जम्मू कश्मीर पुलिस ने इसे लेकर ट्वीट भी किया है और लोगों को इस इलाके से दूर रहने की सलाह दी गई है। आपको बता दें कि बीते गुरुवार को राजौरी में आर्तकियों ने सेना की दो गाड़ियों पर घात लगाकर हमला किया था। इस हमले में सेना के 4 जवान शहीद हो गए, जबकि तीन जवान घायल हुए। पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की शाखा पीपुल्स एंटी-फासिस्ट फ्रंट ने घात लगाकर किए गए इस हमले की जिम्मेदारी ली।

भारतीय कुश्ती संघ को सरकार ने सस्पेंड किया

नई दिल्ली। डब्ल्यूएफआई यानी भारतीय कुश्ती महासंघ के खिलाफ सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। खेल मंत्रालय ने रविवार को भारतीय कुश्ती संघ को अगले आदेश तक निलंबित कर दिया है। सरकार के इस फैसले के पीछे बताया जा रहा है कि नवनिर्वाचित कुश्ती संघ ने उचित प्रकिया का पालन नहीं किया और पहलवानों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय दिए बिना अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चौंपियनशिप के आयोजन की 'जल्दबाजी में घोषणा' की थी। खेल मंत्रालय ने साथ ही कहा कि संजय कुमार सिंह की अगुवाई में नई संस्था 'पूरी तरह से पूर्व पदाधिकारियों के नियंत्रण' में काम कर रही थी जो राष्ट्रीय खेल संहिता के अनुरूप नहीं है।

अभी पूरा आदेश नहीं पढ़ा है, पहले पढ़ेंगे, उसके बाद कुछ कहेंगेः संजय सिंह

डब्ल्यूएफआई के चुनाव 21 दिसंबर को हुए थे जिसमें पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के विश्वासपात्र संजय सिंह और उनके पैनल ने बड़े अंतर से जीत दर्ज की थी।

खेल मंत्रालय के मुताबिक, नए निकाय ने डब्ल्यूएफआई संविधान का पालन नहीं किया। महासंघ अगले आदेश तक निलंबित रहेगा। डब्ल्यूएफआई कुश्ती के दैनिक कामकाम को नहीं देखेगा। उन्हें उचित प्रक्रिया और नियमों का पालन करने की जरूरत है।

वही इस मामले में संजय सिंह ने कहा है कि उन्होंने अभी पूरा आदेश नहीं पढ़ा है, पहले पढ़ेंगे, उसके बाद कुछ कहेंगे। निलंबित डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष ने आगे कहा कि श्मैं प्लेन में था उसका डिटेल मुझे पता नहीं है, लेटर लेने के बाद मैं बताता हूं आगे क्या करना है क्या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि केवल सुनने में आया है मेरी एक्टिविटी पर रोक लगा दी गई है। फिलहाल किसी पर अभी कोई कमेंट नहीं, यहां रांची में केवल स्वागत समारोह है। इससे पहले खबर आई कि खेल मंत्रालय के एक्शन के खिलाफ संजय सिंह गुट कोर्ट में जा सकता है।

रक्तदान शिविर में युवाओं ने किया रक्तदान।

हरिहर आश्रम में तीन दिवसीय दिव्य अध्यात्म महोत्सव प्रारम्भ

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कनखल क्षेत्रांर्तगत हरिहर आश्रम में आज से तीन दिवसीय दिव्य अध्यात्म महोत्सव शुरू हो गया है। महोत्सव के उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनराव भागवत, हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर, आचार्य महामंडलेश्वर कैलाशानंद ब्रह्मचारी, स्वामी रामदेव, स्वामी चिदानंद मुनि, पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, पूर्व कैबिनेट मंत्री मदन कौशिक सहित बड़ी संख्या में संत और कई बड़ी हस्तियां शामिल हुई हैं।

इस अवसर पर मोहन भागवत ने कहा कि हम आज विश्व कल्याण के साथ भय मुक्त समाज की कामना करते हैं। सृष्टि का कल्याण केवल सनातन में है। ज्ञान भाषण से आचरण नहीं आता है। अगर एक शब्द का भी आचरण कर लिया जाए तो दुनिया में परिवर्तन आ सकता है। भगवान श्री राम इसलिए पुरुषोत्तम नहीं कहलाए, इसके लिए उन्होंने मर्यादाओं का पालन किया। कहा कि अगर हम अपना जीवन बदले तो दुनिया में बदलाव आएगा और भारत फिर से विश्वगुरु बनेगा। अकेला सनातन कल्याणकारी सनातन वर्ण का पालन करें तो दुनिया का भला होगा और हमारा भी भला होगा।

बता दें कि जूना अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद महाराज के पीठ पर विराजमान हुए 25 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इस उपलक्ष्य में हरिहर आश्रम में भव्य आयोजन किए गए हैं। सुबह विशेष पूजा अर्चना भी की गई। देर शाम महाभारत में भगवान श्रीकृष्ण का अभिनय करने वाले अभिनेता नितीश भारद्वाज की ओर से चक्रव्यूह का मंचन किया जाएगा।

विघ्नन्तो दुरिता पुरु सुगा तोकाय वाजिन:।
तना कृण्वन्तो अर्वते।।

(ऋग्वेद ९-६२-२)

जीवन की नकारात्मकता और बुराइयों पर जो नियंत्रण रखकर मानवता को शांति और सत्य धन प्रदान करते हैं। जो भावी पीढ़ी के माध्यम से मानवता की प्रगति को सुनिश्चित करते हैं। ऐसे राष्ट्र के अग्रदूतों का सभी को सम्मान करना चाहिए।

शिव रहस्यों की उद्बोधक कृति

मोहन मैत्रेय

शम्भु, ईश, पशुपति, शूली, महादेव, महेश्वर, कपर्दी, धूर्जटी, चंद्रशेखर, उमापति, भूतेश आदि अनेक नामधारी भगवान शिव भारतीय देवभावना में सर्वाधिक पूजित देव हैं। इनका वर्ण कर्पूर के समान गौर है, शरीर में भस्म का लेप है, श्वेत वस्त्र हैं, गर्दन नीली है, सिर पर जटा है, गले में सर्प-रुण्ड माला है, त्रिनेत्र हैं, मृगछाला प्रिय आसन है, श्मशान में वास है। खप्पर भोजन पात्र है और भोजन है भांग धतूरा। वेश में अशिव हैं वैसे शिव। पिनाकधारी हैं और पार्वती उमा के पति।

शिव के इस रूप की आध्यात्मिक व्याख्या से परिचित होना भी आवश्यक है। सत्य का रंग उजला होता है। अन्य रंग धोने पर उतर जाते हैं, श्वेत ज्यों का त्यों रहता है-ईश्वर का रूप कृत्रिम नहीं, स्वाभाविक है। भस्म सत्य का प्रतीक है। सर्प पर विजय प्राप्ति ही शिव को मृत्युंजय बनाती है। चंद्रमा संताप-हरण का द्योतक है। गंगा जीवों को मुक्ति देती है तो शिव इस रूप में मुक्तदाता हैं। वृषभ पर सवारी धर्म को धारण करने का प्रतीक है। दिगम्बर शिव देश-काल से अनवच्छिन्न है। तीसरा नेत्र आंतरिक ज्ञान का पर्याय है।

कभी शिव को रुद्र के रूप में जाना जाता था-ऐसा देवता जो भय उपजाता है। उसकी पूजा उसे शांत करने हेतु होती थी। पौराणिक काल से पूर्व ही रुद्र और शिव का एकीकरण हो गया था। श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' भी शिव को आर्येत्तर देवता मानते हैं, परंतु कालांतर में शिव की प्रभुता स्थापित हो गई।

देवदत्त पट्टनायक पौराणिक विषयों के विशेषज्ञ, अध्येयता एवं प्रचारक के रूप में प्रतिश्रुत हैं। 'शिव से शंकर तक' शोधपरक कृति के संबंध में प्रकाशकीय कथन अतिसार्थक है-'यह पुस्तक शिव से शंकर तक, तपस्वी होने से लेकर गृहस्थ बनने तक, ईश्वर की यात्रा की खोज है।'

विकासशील हिंदुत्व अपने पूर्ववर्ती रूप में वैदिक धर्म के रूप में प्रचलित था और इसमें कर्मकाण्ड की प्रधानता थी। यज्ञादि के विधान तथा मंत्रपाठ से ब्रह्म नामक अमूर्त शक्ति को प्रसन्न करके इच्छाएं-आकांक्षाएं पूर्ण की जाती। कालांतर में सर्व-शक्तिमान ईश्वर की धारणा ने जन्म लिया। कोई संसार के पालक विष्णु का आराधक बना तो किसी ने संसार-त्यागी शिव को वही स्थान दिया। देवी (शक्ति) की आराधना भी शुरू हुई।

शिव के तीन आरंभिक रूप चर्चित हैं-पशुपति, योगेश्वर तथा लिंगेश्वर। शिव त्रिदेवों में प्रतिष्ठित तो हुए परंतु लेखक की मान्यता है कि शिव का यह प्रवेश अनिच्छापूर्वक हुआ। दक्षयज्ञ विनाश कथा तथा बाद में यज्ञ की संपूर्णता इसी तथ्य की संकेतक है। पट्टनायक का इस कृति की यह विशेषता है कि इसमें शिव संबंधी अनेक प्रसंगों को बौद्धिक धरातल प्रदान किया गया है। मध्ययुग में शिव-पूजकों तथा विष्णु-अराधकों में काफी प्रतिद्वंद्विता रही। मेलमेलाप के प्रयास भी हुए। शिव का तप से जुड़ा रूप अधिक ग्राह्य रहा। शिव का प्रतिनिधित्व एक यौन-प्रतीक द्वारा होता है। इसी रहस्य का उद्घाटन कृति का लक्ष्य रहा। लेखक का कहना है कि सरल उपाय यही होगा कि उसे उर्वरता-सूचक चित्र या प्रतीक के रूप में स्वीकार कर लिया जाए। प्रश्न यह भी उठता है कि शिव यदि केवल उर्वरता के देवता होते तो उनका निवास हिममण्डित पर्वत ही होते, हरे-भरे वन-प्रांतर क्यों नहीं? वह तो संहारकर्ता हैं, तो सृष्टा भी। मंदिरों में शिवलिंग की पूजा पदार्थ द्वारा चेतना को संसार में लाने का प्रतीक है। देवी के साथ युक्त होकर ही शिव को अपना बोध होता है। शिव हमारे भीतर का देवत्व है-शक्ति हमारे चारों ओर का देवत्व। शिव शक्ति के बिना शव मात्र हैं। शिव अंतर्मुखी, निष्क्रिय चेतना हैं, जिसे शक्ति उत्तेजित करती है ताकि जीवन घटित हो सके।

'शिव से शंकर तक' शिव संबंधी अनेक प्रसंगों एवं प्रतीकों को हृदयंगम करवाने का एक अद्भु त प्रयास है। कृति ज्ञानवर्धक तो है ही, शिव के रहस्य की उद्बोधक भी है।

जमीन पर सोना शरीर के लिए है बेहद फायदेमंद

दिनभर काम के बोझ से थक कर हर कोई चाहता है कि उन्हें सुकून की नींद आए। अच्छी नींद के लिए लोग अपने बेड से समझौता नहीं करते हैं। गद्देदार बिस्तर भले लगता हो कि अच्छी और आरामदायक नींद दे सकता है लेकिन स्वास्थ्य की दृष्टि से जमीन पर सोने को आदर्श माना गया है। रात को जल्दी सोने और अच्छी नींद के लिए यूं तो बेड, गद्दे आदि आरामदायक होने चाहिए, जिससे रात में सोने में किसी भी तरह की तकलीफ महसूस न हो।ज्यादातर लोग सोचते होंगे कि गुदगुदा बिस्तर या पतला गद्दा कौन-सा शरीर के लिए लाभदायक है। लेकिन बिस्तर के मामलों में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं होती, क्योंकि बिस्तर पर सोने की बजाए जमीन पर सोना शुरू कर सकते हैं। जमीन पर सोने के शरीर को ढेर सारे स्वास्थ्य लाभ हैं।

जमीन पर सोने के लिए पहले सही जानकारी होना जरूरी है खासकर तब जब इस आदत के लिए नए हों। बेहतर होगा कि जमीन पर एक पतली चटाई बिछाकर सोएं। पतला गद्दा या योग मैट जैसा हो जिस पर सोया जा सकता है। जमीन पर सो रहे हैं तो ध्यान रहे कि हमेशा अपनी पीठ के बल ही सोएं। बिना तकिया सोने की आदत डालने से पहले शुरुआत में एक तकिये का इस्तेमाल कर सकते हैं। एक बार आदत पड़ जाए तो तकिये को हटा भी सकते हैं।

जब भी सोएं तो बिना तकिये के सोएं। इससे सांस लेने में होने वाली दिक्कत कम हो सकती है। जमीन पर सोने से शरीर और हड्डियों का अलाइनमेंट सही रहता है। नरम गद्दों पर सोने से अक्सर शरीर के कुछ खास अंगों पर वजन पड़ने लगता है, इससे जब अंग दबते हैं तो दर्द बढ़ जाता है। लंबे समय तक ऐसा होने से अक्सर शरीर के पॉश्चर में बदलाव देखा जा सकता है। जमीन पर सोने से यह परेशानी कम होती है।

जमीन पर सोने के फायदों में सबसे पहले आता है यह रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ रखता है। रीढ़ की हड्डी सेंट्रल नर्वस सिस्टम से जुड़ी होती है और इसका संपर्क सीधा मस्तिष्क से होता है। जमीन पर सोने से रीढ़ की हड्डी की अकड़ने की आशंका कम होती है। जमीन पर सोने की आदत से कंधों और कूल्हों की मांसपेशियों के बिगड़ने से राहत मिलती है। दर्द ऊपरी पीठ, निचली पीठ, कंधा, बांह की कलाई, गर्दन, सिर आदि में होता है और मांसपेशियों के बिगड़ने से यह बढ़ जाता है। पीठ में दर्द हो तो जमीन पर सोना बेहद फायदेमंद है। वास्तव में यह पीठ दर्द का प्रभावी इलाज है।

जमीन पर सोने से शरीर का तापमान कम रहता है। जब गद्दे पर सोते हैं तो शरीर की गर्मी काफी बढ़ जाती है और इससे शरीर का तापमान बढ़ जाता है। चटाई या दरी पर सोने से यह समस्या दूर होगी। जमीन पर सोने से ब्लड सर्कुलेशन भी बढ़ जाता है और इससे मांसपेशियों को भी आराम मिलता है। इससे मस्तिष्क भी शांत रहता है। तनाव भी कम होता है। यह ध्यान रहे कि शुरुआत में भले ही जमीन पर सोना मुश्किल लगे लेकिन धीरे-धीरे इसकी आदत हो जाएगी। अगर कोई किसी स्वास्थ्य स्थिति से पीड़ित है तो उनके लिए जमीन पर सोना सही नहीं हो सकता है।

कोरोना वायरस के कहर से बचने के लिए हुए लॉकडाउन की वजह से कई लोग घर बैठे ऑफिस का काम कर रहे हैं। वर्क फ्रॉम होम के मामले में लगातार एक जैसी सीटिंग के साथ काम करने से पीठ दर्द की समस्या होना स्वाभाविक है। एक ही पोश्चर में लंबे समय तक बैठकर काम करने का यह नतीजा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री आवास में सांसद सुखबीर सिंह बादल, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी, पूर्व सांसद प्रेम सिंह चन्दुमाजरा और पूर्व राज्यसभा सदस्य बलविंदर सिंह ने शिष्टाचार भेंट की।

सुप्रीम कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट के नाम पर ठगे साढे आठ लाख रूपये

संवाददाता

देहरादून। सुप्रीम कोर्ट से गिरफ्तारी वारंट निकलने की धमकी देकर आठ लाख 44 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्रीन व्यू अपार्टमेन्ट निवासी रेशमी चक्रवर्ती ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 10 दिसम्बर 2023 को उसके मोबाइल पर फोन कॉल आयी बोला कि वह टीआरआई से बोल रहा है आपने एक लेडी की गलत फोटो भेजी हैं तथा कॉल सीबीआई मुम्बई को ट्रांसफर कर रहा है, उन लोगों ने उसको बहुत धमकाया और कहा कि उसके खिलाफ मनी लॉड्रिंग में सुप्रीम कोर्ट से अरेस्ट वारंट निकला है उसने नौरिश गोयल से पैसा लिया है उसने उनसे कहा कि उसने कोई पैसा नहीं लिया है न ही दिया है, उन्होंने उसको बहुत धमकाया तथा बोला कि यदि उसने इस सम्बन्ध में किसी को कुछ भी बताया तो वह सिक्योरिटी ब्रीच करेंगे तथा सुप्रीम कोर्ट से उसको 03 साल की सजा और 05 लाख रूपये जुर्माना पड़ेगा, तब उसने कहा कि उसंने कुछ नहीं किया है तो कहन लगे कि इंवेस्टिगेशन में सहयोग करेंगे तो वह उसकी मदद करेंगे तब उसने सहयोग के लिए हामी भरी, तो उन्होने उसको बोला कि सुप्रीम कोर्ट व आरबीआई में 06-06 लाख रूपये सिक्योरिटी मनी डिपोजिट करनी पड़ेगा उन लोगों ने फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर उसको बहुत धमकाया और स्काइप ऐप के जरिये वीडियो कॉल करके उसको बोला कि रिकॉर्डिंग सुप्रीम कोर्ट में जमा होनी है उसने अपनी आईडी दिखाई तो उसमें संदीप राव लिखा था वह पुलिस की वर्दी में था और स्काइप ऐप में ही उसे सुप्रीम कोर्ट का लोगो बना हुआ अरैस्ट वारण्ट जिस पर उसका फोटो लगा था और चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया का नाम व सिग्नेचर बना हुआ था उसको भेजा तो वह डर गयी, उन्होंने उसको क्राइम ब्रांच मुम्बई की एफआईआर व सुप्रीम कोर्ट का इलिजिबल फॉर सिक्योरिटी डिपोजिट लैटर जिस पर चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया के सिग्नेचर बने हुए थे उसको भेजा जिस कारण उसको उन पर विश्वास हो गया तब उसने उनके दिये गये पीएनबी एकाउण्ट में अपने एचडीएफसी बैंक एकाउण्ट से मु0 621186 रूपये व उनके दिये गये पीएनबी एकाउण्ट में अपने एसबीआई खाता 223000 रूपये जरिये आरटीजीएस जमा कराये गये। उन लोगों ने उससे धोखाधड़ी कर स्काइप ऐप का गलत इस्तेमाल कर उसके साथ साईबर फॉड किया गया तथा धोखाधड़ी से कुल 844186 रूपये हड़प लिये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भाजपा ने निकाली 'मोदी है न'...

◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

निकाली जाने वाली महारैली के बारे में सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमने सशक्त भू कानून और मूल निवास प्रमाण पत्र की व्यवस्था पर समिति बनाई जाने की बात कहते हुए कहा गया कि हम जन भावनाओं के और राज्य के हितों को सामने रखकर ही फैसला लेंगे। उन्होंने कहा जो समितियां बनाई गई है उनकी रिपोर्ट आने के बाद उसकी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के पास स्थाई मूल निवास प्रमाण पत्र है हमने उनके लिए मूल निवास प्रमाण पत्र की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के युवाओं की इच्छा के विरुद्ध उनकी सरकार कोई फैसला नहीं लेगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं है इसलिए विपक्ष के नेता परेशान हैं।

पदयात्रा में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष तथा भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट भी मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि सरकार नकल और धर्मांतरण कानून की तरह मूल निवास और भू कानून पर शीघ्र सशक्त कानून लाएगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष सरकार के कामकाज से परेशान है। रैली में बड़ी संख्या में युवा भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

आनन्द वर्धन ने सम्भाला राजस्व परिषद के अध्यक्ष पद का कार्यभार

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड शासन के निर्देशों पर अपर मुख्य सचिव आईएएस आनन्द वर्धन ने राजस्व परिषद के अध्यक्ष पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

आज यहां आन्दन बर्धन, आईएएस, अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन द्वारा शासन के निर्देशों के क्रम में अध्यक्ष राजस्व परिषद उत्तराखण्ड के पद का कार्यभार ग्रहण करने उपरान्त उनके द्वारा राजस्व परिषद् उत्तराखण्ड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ राजस्व विभाग के मुखिया के रूप में औपचारिक भेंट की गयी, साथ ही राजस्व विभाग के विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा भी की गयी। समीक्षा में उनके द्वारा राजस्व विभाग के मूल कार्यों जैसे राजस्व वादों के निपटारे एवं राजस्व वसूली को त्वरित गति से लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिये गये। उनके द्वारा भूमि के नामान्तरण (म्यूटेशन) को शतप्रतिशत समयबद्ध रूप से करने के निर्देश दिये व साथ ही आयुक्त एवं सचिव, चन्द्रेश कुमार को नामान्तरण की प्रकिया को पूर्णत: ऑनलाईन किये जाने के सम्बन्ध में महानिरीक्षक, निबन्धन, निबन्धन विभाग, निबन्धन एवं राजस्व विभाग के सम्बन्धित अधिकारियों के साथ संयुक्त बैठक शीघ्र आहूत कर प्रकरण को तत्काल कियान्वित किये जाने के निर्देश भी दिये ताकि आमजन को इसका त्वरित लाभ प्राप्त हो सके। इसके साथ ही भूमि की खतौनियों को ऑनलाईन पेमेंट गेटवे के माध्यम से ऑनलाईन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में 10 फरवरी से पूर्व क्रियान्वित करने के निर्देश दिये गये, जिससे आमजन को बिना तहसील जाये ही ऑनलाईन डिजिटली हस्ताक्षरित खतौनी उनके मोबाईल से घर बैठे ही प्राप्त हो सके। जिला कार्यालयों, मण्डलायुक्तों व राजस्व परिषद् में स्थित राजस्व अभिलेखागारों जिनमें की अतिमहत्वपूर्ण स्थायी एवं विरासती अभिलेख रक्षित होता है को अभिलेखों के सम्यक् रखरखाव व किसी भी प्रकार के नुकसान आदि से बचाये रखने हेतु अभिलेखागारों के आधुनिकीकरण जिसमें अभिलेखों का डिजिटाईजेशन आदि किया जाना है, हेतु तत्काल आगामी बजट में इस हेतु 100 करोड़ का बजट प्रावधान कराये जाने हेतु निर्देशित भी किया गया, जिससे आमजन को अभिलेखों की ऑनलाईन सुलभता हो सके। राजस्व विभाग द्वारा विभागीय कम्प्यूटरीकरण हेतु संचालित योजनाओं एवं सॉफ्टवेयर्स के सम्यक संचालन हेतु भी आयुक्त एवं सचिव को निर्देश दिये। राजस्व विभाग के आवासीय व अनावासीय भवनों की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की नियमित समीक्षा के निर्देश दिये गये, व राजस्व परिषद् के शासन को सन्दर्भित प्रकरणों का नियमित रूप से अनुसरण करने के भी निर्देश दिये गये।

भारत सरकार द्वारा संचालित स्वामित्व योजना में प्रदेश द्वारा तैयार किये गये स्वामित्व अभिलेखों पर बैंकों द्वारा ऋण प्रदान किये जाने हेतु राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति के साथ बैठक आहूत कर प्रकरण में शीघ्र यथोचित कार्यवाही के भी निर्देश दिये गये, ताकि स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को योजना का सम्यक लाभ प्राप्त हो सके। इस अवसर पर चन्द्रेश कुमार, सदस्य (न्यायिक) / आयुक्त एवं सचिव, राजीव रौतेला, सदस्य (न्यायिक), अनिल सिंह गर्ब्याल, स्टॉफ आफिसर, मीनाक्षी पटवाल, उप राजस्व आयुक्त, केके डिमरी, सहायक राजस्व आयुक्त, सुरेश सिंह, उप निदेशक, राजेश पाण्डेय, सहायक निदेशक एवं समस्त राजस्व परिषद से कार्मिक उपस्थित रहे।

एसटीएफ ने एक किलो चरस के साथ किया गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। एसटीएफ ने एक किलो चरस के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल द्वारा ड्रग्स के खिलाफ कार्यवाही करने के आदेश पर एसटीएफ की ए. एन.टी.एफ टीम (एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स) द्वारा थाना क्लीमनटाउन क्षेत्र से दीपक सिंह पुत्र नारायण सिंह निवासी बागेश्वर से एक किलो 20 ग्राम चरस बरामद की गई जिसके द्वारा पूछताछ पर बताया कि यह चरस बागेश्वर से लेकर आया था। पकड़ा गया आरोपी प्रेमनगर थाना क्षेत्र के एक नामी कॉलेज में बीकाम ऑनर्स का छात्र रह चुका है और इस चरस को कॉलेज के छात्रों को ही सप्लाई करने के लिए लाया था। इसके अलावा आरोपी से एसटीएफ द्वारा पूछताछ में अन्य कई ड्रग्स पैडलरो के नाम की जानकारी हुई है जिन पर कार्यवाही की जायेगी। एसटीएफ ने उसके खिलाफ क्लेमनटाउन थाने में मुकदमा दर्ज कराया।

किडजी रेसकोर्स स्कूल के नौनिहालों ने अपनी प्रस्तुतियों से किया मंत्रामुग्ध

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। किडजी रेसकोर्स स्कूल का एनुअल डे फंक्शन प्रकृति के विभिन्न अंगों को दर्शाते हुए 'नेचर फेस्ट' थीम पर संपन्न हुआ । इस अवसर पर छोटे-छोटे बच्चों द्वारा दी गई प्रस्तुतियों ने ऑडिटोरियम में मौजूद सभी का मन मोह लिया।

किडजी स्कूल का यह तीसरा एनुअल डे फंक्शन संस्कृति विभाग के ऑडिटोरियम में छोटे-छोटे बच्चों की प्रस्तुतियों से आरंभ हुआ जिसमें बतौर मुख्य अतिथि मैनेजिंग डायरेक्टर दून इंटरनेशनल स्कूल गगन जोत मान, चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट डॉ मुकुल शर्मा, जीलर्न लिमिटेड से वैभव सिंह एवं सपना तेओतिया मौजूद रहे। इस मौके पर गगन जोत मान ने कार्यक्रम की और स्कूल स्टाफ की सराहना करते हुए कहा की देख के बहुत अच्छा लगता है की कितनी कम उमर से बच्चों को संयम, नियम और डिसिप्लिन समझा रहे है। इस मौके पर डॉक्टर मुकुल शर्मा ने कहा कि वे समस्त स्कूल के अधिकारियों को शुभकामनाएं जो की लगातार बच्चों के जीवन निर्माण के लिए काम कर रहे हैं और माता-पिता से आग्रह है कि उनके संपत्ति घर मकान गाड़ियां नहीं है बल्कि बच्चे असली में उनकी संपत्ति है जिनको संस्कार सभ्यता और संस्कृति का पाठ पढ़ना माता-पिता की नैतिक जिम्मेदारी है। रिश्तो को निभाने की सीख माता-पिता के साथ-साथ दादा-दादी नाना नानी और समस्त परिजनों के द्वारा दी जानी ही उत्तम रहती है माता-पिता का कर्तव्य है कि अपने बच्चों के जीवन निर्माण में अपना पूर्ण योगदान दें जिससे वह परिवार के प्रति और समाज के प्रति जागरूक हो सके और एक जिम्मेदार नागरिक बन पाए मैं पुन: माता-पिता से संयम रखते हुए संबंधों को समझते हुए और वैचारिक मतभेदों को दूर रखकर अपने बच्चों को समाज के प्रति तैयार करें।

इस मौके पर बच्चों ने प्रकृति के विभिन्न अंगों को दर्शाते हुए फ्लावर डांस, रेन डांस, मंकी डांस, इंसेंट डांस , नेचर प्रोटेक्शन डांस, पीकॉक डांस, आदि सहित कुल मिलाकर नौ परफॉर्मेंस प्रस्तुत की । इन नौनिहालों की परफॉर्मेंस को देख वहां पर मौजूद सभी दर्शक मंत्र मुग्ध हो गए। छोटे-छोटे बच्चे जब स्टेज पर आकर अपने नन्हे नन्हे हाथों पैरों से डांस करके एक संदेश दे रहे थे तो वह सभी को लुभा रहा था। इस मौके पर कार्यक्रम का संचालन प्रिंसिपल मेघा खरबंदा ने किया। किडजी स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर अनायास सुनेजा ने कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रबलीन कौर, काजल धीमान , हरलीन कौर, नूपुर आर्य, मेघना गुप्ता आदि अध्यापिकाएं बच्चों के साथ मौजूद रहीं , जिन्होंने बच्चों के साथ समन्वय स्थापित करने में सहयोग दिया।

स्किन और बालों को सुंदर बनाता है मोगरे का फूल

मोगरे का फूल कई मायनों में फायदेमंद है। औषधीय गुणों से भरपूर होने के कारण सदियों से ही इसका उपयोग किया जाता है। खासतौर से एशियाई और पूर्वी संस्कृतियों में लंबे समय से इसका इस्तेमाल किया जाता रहा है। मोगरे की अनोखी खुशबू हर किसी को प्रभावित करती है।

यह फूल बालों और चेहरे के लिए बेहद लाभकारी है। यह न सिर्फ डियोड्रेंट के रूप में इस्तेमाल किया जाता है बल्कि त्वचा और बालों से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में भी मदद करता है। मोगरे की खुशबू मूड को बेहतर बनाती है और दिमाग को तरोताजा रखती है।

मोगरे का इस्तेमाल ऑयल के रूप में किया जाता है। इसमें कीटोन की सांद्रता कम होती है। यह सौम्य और सुगंधित खुशबू प्रदान करता है और नैचुरल डियोड्रेंट का काम करता है।

स्ट्रेच मार्क और दाग-धब्बे को दूर करने के लिए मोगरे के तेल को पेट्रोलियम जेली और नारियल तेल के साथ उपयोग करना फायदेमंद होता है। यह ड्राई स्किन की समस्या से छुटकारा देता है और त्वचा को लचीलेपन को बनाए रखता है।

कोमल और मुलायम त्वचा के लिए मोगरे का तेल फायदेमंद है। पानी में कुछ बूंद मोगरे के तेल को मिलाकर नहाने से त्वचा मुलायम होती है। इस तेल में एलोवेरा मिलाकर लगाने से त्वचा मॉइश्चराइज होती है।

मोगरे की चाय घाव और खरोंच को ठीक करने में मदद करता है। इसके अलावा मोगरे का तेल रैशेज, सनबर्न और त्वचा से जुड़ी अन्य समस्याओं को दूर करने में फायदेमंद है।

स्कैल्प हेल्दी होने पर बाल अपने आप स्वस्थ और मजबूत होते हैं। जैस्मीन के रस में नारियल तेल, बादाम का तेल या जोजोबा ऑयल मिलाकर लगाने से बालों में नमी बनी रहती है और रूसी एवं टूटते बालों की समस्या से छुटकारा मिलता है।

इस तरह जैस्मीन त्वचा और बालों से जुड़ी समस्याओं को दूर करने में फायदेमंद है। जैस्मीन का अर्क, फूल और ऑयल का उपयोग हेल्दी बालों के लिए किया जा सकता है। 10-15 मोगरे के फूल को पानी में भिगोकर पानी बनाएं। इस पानी से बालों को धोने से बाल मुलायम होते हैं। इस पानी में बेकिंग सोडा मिलाकर शैंपू और कंडीशनर के रुप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके अलावा बालों में इसका तेल लगाने से बाल घुंघराले होते हैं। मोगरे की पत्तियों का रस बालों को जड़ से मजबूत बनाने में मदद करता है। इसके साथ ही बालों को टूटने और झड़ने से बचाता है। इसकी ताजी पत्तियों के रस को नारियल तेल में मिलाकर लगाने से बाल लंबे, घने और मोटे होते हैं।

खाती हैं चावल और सफेद पास्ता, तो हो जाइए सावधान!

क्या आपको भी सफेद पास्ता और चावल बहुत भाता है? अगर हां तो आपको इसे तुरंत बंद कर देना चाहिए। हाल ही के एक अध्ययन के अनुसार सफेद पास्ता खाने से महिलाओं को समय से पहले मीनोपोज होने का डर रहता है। ब्रिटेन में हुए एक शोध में चेतावनी दी गई है कि सफेद पास्ता और चावल के अधिक सेवन से मीनोपोज समय से करीब डेढ़ वर्ष पहले हो सकती है। एपिडेमिलॉजी एंड कम्युनिटी हैल्थ नाम के जर्नल में प्रकाशित शोध में पता चला है कि सेहतमंद चीजें मसलन ऑयली फिश और ताजी फलियां जैसे कि मटर और हरे बीन्स खाने से मीनोपोज देर से होती है। यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स के शोधकर्ताओं ने खानपान और मीनोपोज के बीच संबंध तलाशने के लिए अध्ययन किया। इस शोध में ब्रिटेन में रहने वाली 14,150 महिलाओं को शामिल किया गया। शोधकर्ता याश्वी डननेराम का कहना है कि यह इस किस्म का पहला शोध है जिसमें ब्रिटेन की महिलाओं में न्यूट्रिशंस, खाद्य समूहों की विविधता और नेचुरल मीनोपोज की आयु के बीच संबंध तलाशा गया। खानपान संबंधी प्रश्नावली के अलावा महिलाओं के प्रजनन के इतिहास और सेहत के बारे में जानकारी जुटाई गई। चार वर्ष बाद शोधकर्ताओं ने उन महिलाओं की डाइट का आकलन किया जिन्हें इस बीच मीनोपोज हो गया था। ब्रिटेन में मीनोपोज की औसत आयु 51 वर्ष है। करीब 900 महिलाओं (40 से 65 वर्ष) को इस बीच प्राकृतिक रूप से मीनोपोज हुआ। आकलन में पाया गया कि जिन महिलाओं ने ऑयली फिश का अधिक सेवन किया और उन्हें कम से कम तीन साल देर से मीनोपोज हुआ। जबकि पाया गया कि रिफाइंड पास्ता और चावल खाने वाली महिलाओं में मीनोपोज डेढ़ साल पहले ही हो गया। यूनिवर्सिटी ऑफलीड्स में प्रोफेसर जानेट केड ने कहा कि मीनोपोज का कुछ महिलाओं के लिए सेहत पर गंभीर प्रभाव हो सकता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

सीडलेस एप्रीकॉट और खुबानी के सेवन से होगी रोग प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी

ट्यबरक्लॉसिस से बचाते हैं बिना बीज के ये एप्रिकॉट्स, जो खाने में बेहद स्वादिष्ट भी होते हैं। तो फिर कड़वी और महंगी दवाओं को खाने से कहीं बेहतर है कि स्वस्थ रहते हुए ही आप नियमित रूप से इनका सेवन करें। आपने भी जरूर सुना होगा कि प्रीकॉशन इज बेटर देन क्योर यानी बीमार होने के बाद रोग का इलाज कराने से कहीं बेहतर है कि खुद को इतना स्वस्थ रखा जाए कि बीमारी पास भी ना फटक पाए।

हमारे देश में लाखों लोग हर साल टीबी की बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। इसकी वजह है कि टीबी एक संक्रामक रोग है और हमारे देश में आज भी लोगों के बीच स्वच्छता और हाइजीन को लेकर बहुत अधिक जागरूकता नहीं है। यदि टीबी की बीमारी से ग्रसित लोग सार्वजनिक जगहों पर थूकते हैं तो जूते-चप्पलों पर लगकर या सांस के द्वारा यह संक्रमण स्वस्थ रोगियों को भी अपनी चपेट में ले सकता है।

सीडलेस एप्रीकॉट हैं लाभकारी

-आप सीडलेस एप्रीकॉट और खुबानी के सेवन से टीबी की बीमारी से बच सकते हैं। बदलते मौसम में आपको नियमित रूप से इनका सेवन करना चाहिए। क्योंकि संक्रामक रोग चेंजिंग वेदर के दौरान ही अधिक फैलते हैं।

-सूखे हुए एप्रिकॉट को खुबानी कहते हैं। ये दो तरह की होती हैं, एक जिनमें बीज होता है और दूसरी जिनमें बीज नहीं होता है। हमारे देश में मुख्य रूप से बीज युक्त खुबानी का ही उपयोग किया जाता है लेकिन सीडलेस एप्रिकोट भी इतने ही स्वास्थ्यवर्धक होते हैं।

-खुबानी और सीडलेस एप्रीकॉट्स विटमिन्स और मिरल्स का खजाना होते हैं। इनमें विटमिन- ए, विटमिन-सी और विटमिन-ई की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। इसलिए आंखों की रोशनी और त्वचा की सुंदरता बढ़ाने के लिए आप नियमित रूप से इनका सेवन कर सकते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं

-आपक जानते हैं कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में विटमिन-सी मुख्य भूमिका निभाती है। खुबानी और सीडलेस एप्रीकॉट विटमिन-सी का अच्छा सोर्स होते हैं। साथ ही ये बहुत अधिक खट्टे भी नहीं होते हैं।

-इसलिए जिन लोगों को खट्टे फल खाना पसंद नहीं है या खट्टी चीजें खाने से जिन लोगों के दांत और गले में समस्या होती है, वे भी इन दोनों ड्राइ फ्रूट्स का नियमित उपयोग कर सकते हैं।

हड्डियों को मजबूत बनाएं

-आपको बता दें कि एप्रीकॉट और खुबानी में पोटेशियम, मैग्नीज, नियासिन और विटमिन-बी 12 तथा ओमेगा-3 फैटी एसिड भी पाया जा है। ये सभी पोषक तत्व आपकी बोन्स को हेल्दी रखने के लिए बहुत जरूरी होते हैं।

-इसलिए जिन लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों में दर्द की शिकायत रहती है, उन्हें इन दोनों ड्राइ फ्रूट्स का सेवन अवश्य करना चाहिए। ध्यान रखें कि साइट्रिक एसिड की उपस्थिति के कारण इन फलों में हल्का खट्टापन होता है। इसलिए इन्हें दूध के साथ खाने से परहेज करना चाहिए।

शब्द सामर्थ्य -039

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. तकलीफ, कष्ट, कठिनाई, परेशानी 3. सरल, सहज 6. ज्ञान प्राप्त करना, शिक्षा लेना 7. विवश, लाचार 8. अत्यधिक ठंडा, सुस्त 9. अच्छे ढंग में गाया जाने वाला सुंदर गीत 11. सूर्य, सूरज 13. वस्त्र आदि धारण कराना 15. अप्रसन्न, नाखुश 16. खिंचाव, आकर्षण शक्ति (उ.) 18. एक रंग, आसमानी रंग 22. सेवा-सत्कार, आवभगत 23. सर्प, सांप, लकड़ी आदि की मूर्ति बनाना।

ऊपर से नीचे

1. हृदर, उर 2. शिष्टता, भद्रता, विवेक (उ.) 3. अंततः, अंततोगत्वा 4. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 5. आवागमन, गमनागमन 7. पुरुष 8. घोड़े की तेज चाल, तेज गति की दौड़ 10. लूटपाट, डकैती 12. बबार्दी, तबाही 14. नासिका, श्वसनइंद्रीय 17. आखेटक, अरेही 19. योग्य, काबिल 20. कामदेव की पत्नी, प्रेम, आनंद 21. रात्रि, निशा।

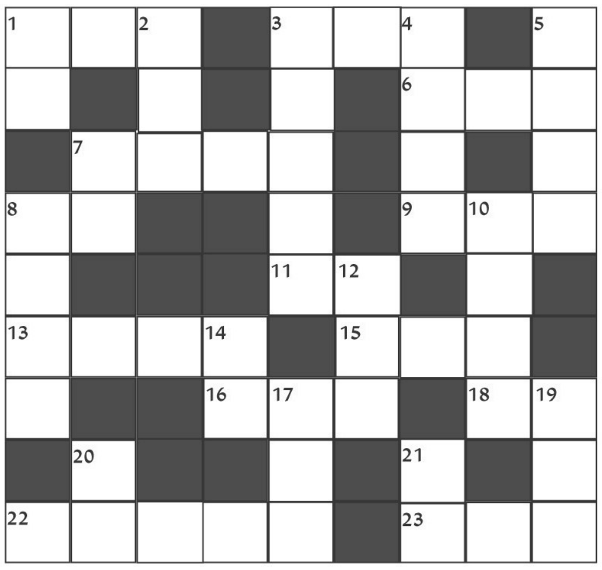

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 38 का हल

चु	स्त		मु		सं	स्था	न	
ग		म	र्दा	न	गी		त	म
ली	प	ना			त	न		
	ना	ना					ज	
मा	ह		रा		सा	ज	न	
न		स	ह	दे	व		म	द
व		म		व	न	ज		ल
ता	क	त	व	र		मी		द
	ल	ल	क		क	र	त	ल

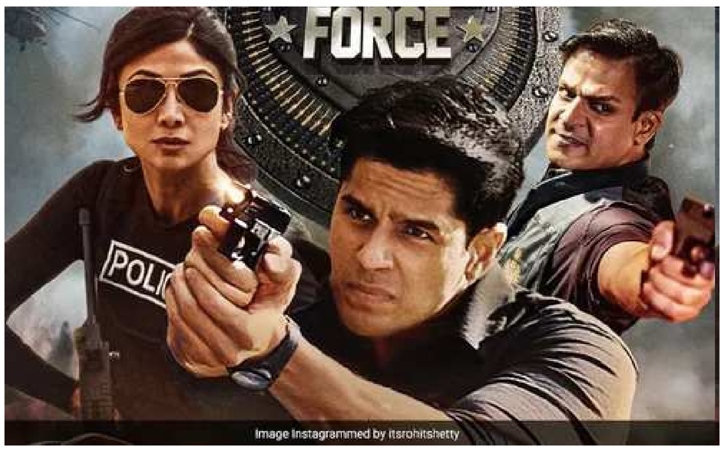

पुलिस वर्दी में खूब जंचे सिद्धार्थ संग शिल्पा

रोहित शेट्टी की अपकमिंग सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' का हर कोई बेसब्री से इंतजार कर रहा है। वहीं फैंस की एक्साइटमेंट को बढ़ाते हुए रोहित शेटटी ने फाइनली अपनी मोस्ट अवेटेड सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' का एक्शन पैक्ड टीजर जारी कर दिया हैटीजर बेहद शानदार है।

आज रोहित शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' का धांसू टीजर शेयर किया और लिखा, यह मेरे लिए घर वापसी है! कार, पुलिस, एक्शन, हाई वोल्टेज ड्रामा और डायलॉग बैक टू बेसिक!

टीजर की शुरुआत एक बीप की साउंड से होती है। इसके बाद टीजर दिल्ली की कई सड़ों से होकर गुजरता है, हर फ्रेम बम पर लगी घड़ी की टिक-टिक के सस्पेंस को बढ़ाता जाता है और फिर एक विस्फोट होता है। इसके बाद इस पुलिस ड्रामा के ब्रेव हीरो सिद्धार्थ मल्होत्रा, विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी कुंद्रा की पुलिस की वर्दी में धांसू एंट्री होती है जो बम विस्फोटों के पीछे के मास्टरमाइंडों का पता लगाने की कोशिश में जुटे हैं। टीजर में देशभक्ति की भावना भी दिखती है तो वहीं इमोशन और भरपूर एक्शन की भी झलक मिलकी है। ओवरऑल सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' का टीजर रौंगटे खड़े कर देने वाला है।

रोहित शेट्टी और सुशांत प्रकाश द्वारा निर्देशित, इंडियन पुलिस फोर्स सात-एपिसोड की एक्शन से भरपूर सीरीज है ये वेब शो देश भर के पुलिस अधिकारियों की निस्वार्थ सेवा, अनकंडीशनल कमिटमेंट और उग्र देशभक्ति के लिए एक हार्दिक श्रद्धांजलि है, जो हमें सुरक्षित रखने का कर्तव्य निभाते हुए अपना सब कुछ दांव पर लगा देते हैं। इंडियन पुलिस फोर्स से रोहित शेट्टी डिजिटल डेब्यू भी कर रहे हैं। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा पुलिस वाले के किरदार में नजर आएंगें वहीं उनके साथ शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, विवेक ओबेरॉय, श्वेता तिवारी, निकितिन धीर, ऋतुराज सिंह, मुकेश ऋषि, ललित परिमू भी अहम भूमिकाओं में हैं। इस सीरीज का प्रीमियर एक्सक्लूसिवली 19 जनवरी 2024 को प्राइम वीडियो पर होने वाला है।

एनिमल बनी साल 2023 की तीसरी सबसे बड़ी फिल्म

रणबीर कपूर की फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया है. अब इस मूवी ने एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया है. बॉक्स ऑफिस पर रणबीर कपूर की एनिमल जबरदस्त कमाई कर रही है. हर दिन फिल्म नए रिकॉर्ड बना रही है और पिछली फिल्मों के रिकॉर्ड को तोड़ रही है. अब एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और साल की तीसरी बड़ी बड़ी फिल्म बन गई है. एनिमल ने 15वें दिन दुनियाभर में 796 करोड़ रुपये का बिजनेस कर लिया था. रणबीर कपूर की एनिमल 16वें दिन तक 817.36 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है. इसके साथ ये रणबीर के करियर की हाईएस्ट ग्रोसिंग फिल्म बन गई है. शाहरुख खान की जवान और पठान के बाद रणबीर कपूर की एनिमल साल 2023 की तीसरी बड़ी फिल्म बन गई है जिसने 800 करोड़ के आंकड़े को पार किया है.

वहीं, फिल्म घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ के पार हो गई है. रणबीर कपूर के अब तक के करियर की यह पहली फिल्म है जिसने ये रिकॉर्ड अपने नाम किया है. इससे पहले किसी भी फिल्म ने ये अचीवमेंट हासिल नहीं की थी. इसके साथ ही घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ के क्लब में एंट्री लेने वाली एनिमल इस साल की चौथी फिल्म बन गई है. रिपोर्ट के मुताबिक एनिमल ने 17वें दिन के कलेक्शन के साथ 500 करोड़ का आंकड़ा पार किया है. शुरुआती रिपोर्ट की मानें तो फिल्म ने जहां 16वें दिन 12.8 करोड़ की धांसू कमाई की थी तो वहीं तीसरे संडे भी फिल्म ने अब तक 5.97 करोड़ रुपए की कमाई कर ली है. 17 दिनों की कमाई के साथ एनिमल का टोटल कलेक्शन 503.91 करोड़ रुपए हो गया है. एनिमल इस साल की चौथी ऐसी फिल्म है जिसने 500 करोड़ का आंकड़ा पार किया है. इससे पहले जवान (640.25 करोड़), गदर 2 (525.7 करोड़) और पठान (543.09 करोड़) ये रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है. रणबीर कपूर की एनिमल 1 दिसंबर, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और पहले दिन से ही फिल्म ताबड़तोड़ कमाई कर रही है. इस फिल्म का निर्देशन संदीप रेड्डी वांगा ने किया है. इसमें रणबीर कपूर के अलावा रश्मिका मंदाना, अनिल कपूर और तृप्ति डिमरी ने अहम भूमिका निभाई है. वहीं, मूवी में बॉबी देओल ने विलेन का रोल किया है.

दृढ़ता के संकल्प से दुर्जेय लक्ष्यों पर जीत

दिनेश चमोला 'शैलेश'

मनुष्य का मन एक ठोस व विशालकाय लौह प्रतिमा के समान है, जो जहां कुछ पाने के लिए लक्ष्योन्मुख हो जाता है या अवस्थित हो जाता है तो फिर संसार का भयावह से भयावह झंझावात भी उसे वहां से हिला नहीं पाता या उसे अपना अभीष्ट पाने से रोक नहीं सकता। जिस कार्य को करने के लिए सुदृढ़ मन एक बार ठान लेता है तो संसार की कोई भी ताकत, विपरीतता अथवा भाग्य का कुचक्र उसे रोक पाने का दु:साहस व हिम्मत नहीं जुटा पाता।

यदि मनुष्य अपने मन के सुदृढ़ व अडिग निर्णय के अनुसार आत्मविश्वास व सजगता के साथ अपने लक्ष्य की ओर दिन-ब-दिन अग्रसर होता है तो बड़ी-बड़ी बाधाएं स्वत: ही दुम दबाकर भाग जाती हैं और मनुष्य अपने सोचे हुए गंतव्य पर निर्धारित समयावधि में आरूढ़ होकर इतिहास की संकल्पनाओं को ही बदल देने में सक्षम हो जाता है। इसीलिए सच ही कहा गया है कि 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत...'। जिनके लौह और अयस्क के मंसूबे हैं, उनके आगे प्रचंड से प्रचंड विपरीतताएं व प्रतिद्वंद्वियों द्वारा रचे गए कुचक्र भी पानी भरने को विवश होते हैं।

पर यह भी सच है कि यदि हम मन से मजबूत नहीं हैं अथवा हम अपने आपको मानसिक तौर पर दुर्बल मानने के आदी हैं तो हम अत्यंत सक्षम, हृष्ट-पुष्ट व बलिष्ठ होने के बावजूद भी अपने लक्ष्य को पार पाने में किसी रूप में सफल नहीं हो सकते। दुनिया का दस्तूर निर्बल को सबल बनाना नहीं, बल्कि सबल को चारों खाने चित्त कर दुर्बल करार देना है।

दूसरी ओर यदि हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से अथवा बौद्धिक रूप से चाहे कितने कमजोर क्यों न हों, किंतु यदि मानसिक रूप से नितांत मजबूत हों और एकमत से यह स्वीकार करते हों कि हम अमुक क्षेत्र में अमुक कार्य में सफलता हासिल कर सकते हैं तो हमें अपनी मंजिल पाने से कोई रोक नहीं सकता।

इस बात के अनेक उदाहरण जीवन के अन्यान्य क्षेत्रों में हमें स्पष्ट तौर पर दिखाई देते हैं। मन की दृढ़ता का लौहस्तंभ जिनके हृदय में अवस्थित होता है, वे ही उपलब्धियों की दुर्गम व दुर्जेय पहाड़ियों पर अपने मजबूत इरादों की सफलता का ध्वजारोहण कर पाते हैं। अत: सकारात्मक दृष्टि से जीवन जीना, जीवन को न केवल नई ऊंचाइयां देना है बल्कि एक ऐसे इतिहास के निर्माण को साकार कर दिखाना भी है जो एकाएक असंभव व कल्पनातीत है।

एक बार एक स्कूली छात्र भयावह अग्निकांड का शिकार हो गया और इतनी बुरी तरह से जल गया कि उसके शरीर का कमर से निचला भाग चेतना शून्य हो गया।

चिकित्सकों के बहुत उपचार के बाद भी वह ठीक न हो सका। अब आजीवन व्हीलचेयर ही एकमात्र विकल्प बन गया। सभी यह देख अत्यंत निराश हो गए कि अब जीवन में यह बालक कभी अपने पैरों पर नहीं खड़ा हो पाएगा। वह चलने के लिए मचल उठता लेकिन निष्प्राण पैरों को घसीटने के अलावा कोई चारा न था। एक दिन उसके मन में जाने क्या आई कि उसने उस व्हीलचेयर को वहीं छोड़ दिया और घास को पकड़ पैरों को घसीटते-घसीटते वह मैदान से कुछ दूर लकड़ी की खड़ी तीखी रेलिंग पर जिंदगी को दांव पर लगा बार-बार अपने निष्प्राण पैरों को खड़ा करने के इरादे से जुट गया।

उसकी मृत्यु तय थी लेकिन वह न मरना चाहता था, न बेजान पैरों को घिसटना... अपने बुलन्द इरादों से अपने पैरों पर खड़ा होना चाहता था। उसमें अद्भुत जिजीविषा थी। वह जीवन से हार नहीं मानना चाहता था। वह रोज वहां आता व अथक परिश्रम करता। धीरे-धीरे पैरों में चेतना लौटने लगी। वह अपने मिशन में सफल होने लगा। एक दिन विस्मय हुआ, वह चलने लगा... चलने ही ही नहीं, शनै-शनै दौड़ने लगा। और अपने लौह व बुलन्द मंसूबों से उसने एक दिन चिकित्सकों की भविष्यवाणी को असत्य साबित कर दिया। अब वह स्कूल, कॉलेज के लिए दौड़ने लगा।

चिकित्सकों के अनुसार जीवन में कभी खड़ा न हो सकने वाला यह खेल की दुनिया का नायाब सितारा डॉ. ग्लेन कुंनिंघम फरवरी 1934 को न्यूयॉर्क शहर के प्रसिद्ध मैडिसन स्क्वायर गार्डन में विश्व का सबसे तेज धावक सिद्ध हुआ।

अत: बुलंद इरादे व अयस्क मंसूबे, जीवन में असंभव को भी अपनी सकारात्मकता से सम्भव कर नया इतिहास पिरोने का जज्बा रखते हैं।

हमारी छोटी सी गलतियों से आसपास के लोग हो जाते हैं बीमार!

एक शोध में दावा किया गया है कि हमारी छोटी-छोटी लापरवाहियों की वजह से हमारे आसपास के लोग बीमारी का शिकार हो जाते हैं। कई ऐसी बीमारियां हैं जो आसपास साफ-सफाई न रखने या छूने से फैलती हैं। हमें इनका ध्यान रखना चाहिए, क्योंकि बारिश और सर्दी ऐसे मौसम होते हैं जब इस तरह की बीमारियां बहुत तेजी से फैलती हैं।

डॉक्टर का कहना है कि ज्यादातर लोगों की आदत होती है छींकते या खांसते समय हाथ मुंह पर लगाने की। छींकते या खांसते समय हाथों का इस्तेमाल करने के बजाय टिश्यू या रुमाल मुंह पर रखना ज्यादा सही आदत है। इस्तेमाल के बाद टिश्यू को फेंक दें और रुमाल को धोया जा सकता है। इसके बाद अपना हाथ जरूर साफ करना चाहिए। यह आदत रोजमर्रा के छोटे-छोटे कम करने के बाद भी पूरी करनी चाहिए, जैसे लिफ्ट में जाते-आते समय, बाथरूम इस्तेमाल करने के बाद और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करने बाद भी जरूर हाथ धोने चाहिए। अच्छी आदतों के बारे में डॉ शेफर्ड का कहना है कि हमें कोई भी काम करने के बाद अपने हाथ धोने की आदत डालनी चाहिए।

खबरों से बेखबर खबरिया हरकारे

शमीम शर्मा

समाचार सुने मुद्दत हो गई है। कई बार बहुत दिल करता है कि दीन-दुनिया की खबर पता चले पर बढ़िया से बढ़िया टीवी भी धोखा दे रहे हैं। टीवी भी बेचारे क्या करें वे तो सिर्फ एक माध्यम मात्र हैं। रिमोट मशीनी अंदाज में चैनल बदलता रहता है और सिर में झुंझलाहट बढ़ती रहती है। न्यूज कहीं देखने को ही नहीं मिलती, मानो ईद का चांद हो गयी है। एक तो मिनट-मिनट के बाद विज्ञापन और फिर न्यूज के सभी चैनलों पर बहस, नौटंकी, वायरल वीडियो और बेतुकी आइटमों का ऐसा बेस्वाद दलिया परोसते हैं कि दिल करता है टीवी पैक करके टांड पर रख दें।

कुछ को सुनकर तो लगता है कि कुछ पाकर बक रहे हैं। कुछ की टोन ऐसी है मानो रिकॉर्डप्लेयर की सूई अटक गई है कि बस एक ही राग अलापते हैं। कुछ किसी राजनीतिक पार्टी के झंडाबरदार लगते हैं तो दूसरे विपक्षियों के समर्थक होने का सा आभास करवाते हैं। खबर वाले इतने बेखबर होकर रिरियाते हैं कि कब किसकी टोपी-पगड़ी उछल जाये, उन्हें इससे कोई सरोकार नहीं है।

हिंदुस्तान, पाकिस्तान या चीन की न्यूज सुनते हुए कई बार लगता है कि जैसे टीवी में धमाके हो रहे हैं। डर लगने लगता है कि बस बेड के पास बम आकर गिरने वाला है। बरसात के बाद भी इतना कीचड़ नहीं देखने को मिलता, जितना टीवी न्यूज चैनलों पर कीचड़ उछलता है। टीवी के आविष्कारक भी आज के न्यूज चैनल देखकर अपना सिर धुन लेते होंगे और स्वयं को पाप का भागीदार समझते होंगे कि लोगों का दिमाग चाटने वाले टीवी की खोज की बजाय वे कुछ और ही काम कर लेते तो दुनिया सुकून से रह लेती।

सौतन भी आपस में इतनी नहीं लड़ती होंगी और ना ही कटाक्ष-ताने कसती होंगी, जितना न्यूज चैनल वाले एक-दूसरे पर गरजते-बरसते हैं। सब अपने-अपने मस्तक पर श्रेष्ठ होने का तिलक ठोकते रहते हैं। ये दावा करते हैं कि फलां न्यूज सबसे पहले हमने दी पर सवाल है कि दो मिनट बाद अगर यह पता चल जाये कि रिया की गिरफ्तारी हो चुकी है तो कौन-सी आफत आ जायेगी। सच्चाई यह है कि कुछ न्यूज चैनल खोलते ही हमें लगता है कि किसी थियेटर में आ गये हैं और एक ड्रामा देख रहे हैं। जो सच में ड्रामा देखने जाते हैं, वे पता नहीं क्या देखते होंगे।

देश की एकता और अखण्डता के रचनाकार-सरदार वल्लभ भाई पटेल

डॉ. सुशील त्रिवेदी

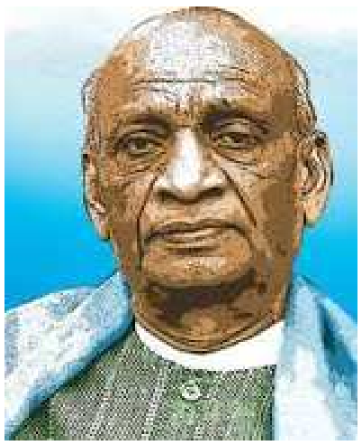

स्वतंत्रता मिलने के बाद अब भारत की ख्याति दुनिया के एक सबसे मजबूत और सबसे विशाल लोकतंत्र के रूप में हो गई है । बीसवीं सदी में जब दुनिया के अनेक देश छिन्न-भिन्न होते रहे तब अपनी एकता और अखण्डता को सुदृढ़ बनाने के लिए पूरी दुनिया में भारत एक उदाहरण बन गया है ।

जब हम अपने इतिहास पर नजर डालते हैं, तो पाते हैं कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की सबसे अग्रिम पंक्ति के नेता सरदार वल्लभ भाई पटेल को आजादी के बाद भारत की एकता और अखण्डता को साकार करने वाले महापुरुष के रूप में स्मरण किया जाता है । उनके पथ का अनुगमन करते हुए भारत सुगठित देश के रूप में शक्ति अर्जित कर रहा है ।

भारत की आजादी के समय अंग्रेजों ने दो कूटनीतिक चालें चलीं थीं-पहली तो यह कि भारत का विभाजित हो जाएं; और दूसरी यह कि देश की 565 देशी रियासतों को यह छूट दी कि वे भारत या पाकिस्तान के साथ मिल जाएं या अपने लिए और कोई निर्णय ले लें । अधिकांश देशी रियासतों के राजाओं ने भारत के साथ विलय को स्वीकार किया किंतु कुछ यह सपना देखने लगे कि अंग्रेजों के भारत छोड़ने के बाद वे स्वतंत्र हो जाएंगे । ऐसे स्वार्थी राजाओं का तर्क था कि उन्हें एक स्वतंत्र राज्य के प्रमुख के रूप में स्वीकार किया जाए । कुछ ने तो संयुक्त राष्ट्र संघ में अपने प्रतिनिधि तक भेजने का मन बना लिया था ।

सरदार वल्लभ भाई पटेल ने राज्यों के मामलों के प्रभारी के रूप में इन राजाओं से चर्चा कर उन्हें देशभक्ति का परिचय देने के लिए प्रेरित किया । अधिकांश ने सरदार पटेल की सलाह को स्वीकार कर भारत का अंग बनना स्वीकार कर लिया । ऐसा करते हुए सरदार पटेल ने अद्वितीय राष्ट्रनिष्ठा, महान बुद्धिमत्ता और राजनीतिक दूरदर्शिता का परिचय दिया था । लेकिन हैदराबाद का निजाम और जूनागढ़ का नवाब भारत में विलय के लिए तैयार नहीं था । ऐसे समय में सरदार पटेल ने अपनी अनन्य संकल्प शक्ति, अद्भुत साहस और परिपक्व प्रशासकीय क्षमता का परिचय दिया । उन्होंने राजनय के नए अध्याय की रचना करते हुए, बिना रक्तपात के इन रियासतों को भी भारत में शामिल होने के लिए विवश कर दिया।

सरदार पटेल का यह कार्य इतना अदभुत और दूरगामी राजनीतिक परिणाम वाला सिद्ध हुआ कि सरदार पटेल को भारत की जनता ने 'लौहपुरुष' की पदवी दी । विश्व के अनेक राजनीतिक विश्लेषकों ने सरदार पटेल की तुलना यूरोपीय नायक बिस्मार्क से की ।

इसी दौरान उत्तर में जम्मू और कश्मीर रियासत को भारत में शामिल करने का मामला लंबित था । वहां राजा ने भारत में शामिल होना तो स्वीकार किया किंतु बहुत देरी से । इस वजह से पाकिस्तान की ओर से धूर्ततापूर्वक घुसपैठियों के रूप में सैन्य कार्यवाही की गई और वे रियासत के एक हिस्से में काबिज हो गए ।

भारत ने सेना भेजकर पाकिस्तानी घुसपैठियों को बाहर किया किंतु तब तक कश्मीर का एक हिस्सा पाकिस्तान के कब्जे में आ गया था । संयुक्त राष्ट्र संघ में इस मामले में बहस के दौरान भारत में कश्मीर में जनमत कराना स्वीकार कर लिया । सरदार पटेल इस कार्यवाही के पक्ष में नहीं थे । वे कश्मीर को पूरी तौर पर मुक्त कराकर उसका भारत में विलय चाहते थे । अगर उनकी सलाह मानी गई होती तो कश्मीर की समस्या तभी निपट गई होती ।

इसी तरफ गोवा के मामले में भी सरदार पटेल सैन्य कार्रवाई कर उसे भारत में शामिल कराने के पक्ष में थे । तब अगर उनकी बात मानी गई होती तो 1961 में हुए जन संग्राम के बजाए सीधी कार्रवाई करते हुए बहुत पहले ही गोवा आजाद करा लिया जाता ।

सरदार पटेल चीन के इतिहास और कूटनीतिक रवैये को देखते हुए उसके साथ दोस्ताना व्यवहार के पक्ष में नहीं थे । चीन ने दोस्ती की आड़ में बाद में भारत से छल किया और 1962 में हम पर आक्रमण किया । तब सरदार पटेल की दूरदृष्टि और राजनीतिक सूझबूझ की याद आई थी ।

प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार पटेल को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा है कि 'दुनिया में ऐसे बहुत से लोग थे जो सोचते थे कि भारत जैसा विविधता से भरा देश कभी एकता के सूत्र में बंधा नहीं रह सकता । वह खंड-खंड हो जाएगा । किन्तु सरदार वल्लभ भाई पटेल ने यह कर दिखाया था कि भारत एकता के सूत्र में बंधा रह सकता है । हमें उनसे यह सीखना है कि हम कैसे देश की शक्ति को लगातार बढ़ाते हुए देश को सदैव एकता के सूत्र में बांधे रखें । सरदार पटेल ने भारत के विभाजन के बाद उसे एक बनाए रखने के महान कार्य को सम्पन्न करने के लिए कौटिल्य के विवेक और शिवाजी महाराज के साहस का उपयोग किया था । सरदार पटेल ने जो कुछ किया है देश के इतिहास में उसकी कोई समता नहीं है । सरदार पटेल ने कच्छ से कोहिमा तक और कश्मीर से कन्याकुमारी तक देश को एकता के सूत्र में बांधा था । यह श्रेय वल्लभ भाई पटेल को जाता है कि हम बिना वीसा लिए भारत के अंदर सारे राज्यों में सभी जगह जा सकते हैं और महान लोगों से मिल सकते हैं।'

सरदार वल्लभभाई पटेल ने एकीकृत भारत की पहचान बनाई थी और, भारतीय लोकतंत्र के भविष्य के रूपरेखा उपलब्ध कराई थी । उनकी स्मृति को अक्षुण्ण बनाने के लिए और भारत की एकता तथा अखण्डता को प्रतिबिंबित करने के लिए उनकी एक प्रतिमा सरदार सरोवर बांध के पास स्थापित की गई है जो दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है । इस प्रतिमा को एकता की मूर्ति नाम दिया गया है । अब यह मूर्ति देश के गौरवशाली इतिहास का प्रतीक बन गई है ।

(लेखक/स्तम्भकार एवं पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी, रायपुर हैं और ये लेखक के अपने विचार हैं)

एक किलो चरस सहित एक दबोचा

हमारे संवाददाता

उत्तरकाशी। नशा तस्करी पर बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी टीम द्वारा एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। जिसके पास से एक किलो पांच ग्राम चरस बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना पुरोला पुलिस व एसओजी टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाला है।

सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी टीम द्वारा क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को पुरोला स्थित लीसा

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

सू- दोकू क्र.039

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.38 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

परियोजनाओं को पूरा कराने के लिए अधिकारियों पर लगाम लगाना जरूरी: जीएस जस्सल

संवाददाता

देहरादून। संयुक्त नागरिक संगठन के उपाध्यक्ष जीएस जस्सल ने कहा कि अधूरी पडी परियोजनाओं को प्राथमिकता से पूरा करने हेतु संबंधित ठेकेदारों और अधिकारियों पर लगाम लगायी जानी जरूरी है।

आज यहां संयुक्त नागरिक संगठन तथा अ.भा.उपभोक्ता समिति की ओर से राष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस पर दून क्लब में आयोजित जन संवाद में दूनवासी उपभोक्ता सार्वजनिक नागरिक सेवाओं में बदहाली को लेकर हुए आक्रोशित। कार्यक्रम की अध्यक्षता केजी बहल ने की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कंक्रीट के जंगल में बदल गए दून के बदहाल हालातो के लिए शहरी क्षेत्र विकास एजेंसी, आवास एवं नगर विकास प्राधिकरण, दून घाटी विशेष क्षेत्र प्राधिकरण, शहरी नियोजन तथा विकास विभाग, चीफ टाउन प्लानर सभी जिम्मेदार हैं। जागरूक नागरिको का कहना था कि ऐसे अधूरे विकास जिससे आमजन के स्वास्थ्य को गंभीर खतरे पैदा होते हैं तो वह भावी पीढ़ी के लिए विनाश का प्रतीक बनेगा। क्योकि राजधानी मे दिनोदिन बढ रही आबादी तथा वाहनो की संख्या का असहनीय बोझ अब यह शहर झेलने मे असमर्थ है। कुछ वक्ताओ ने कहा उत्तराखंड के गठन के 23 सालों में भी आम नागरिकों को सार्वजनिक उपभोग और उपयोग की सेवाओं सुविधाओं को पूर्णतया सुनिश्चित किया जाना सभी सरकारों का दायित्व था जिसपर सभी सरकारो ने अपनी आंखे बन्द कर रखी। कार्यक्रम मे संगठन द्वारा उद्घोषित दून डिक्लेरेशन में प्रस्तुत सुझावों के जवाब में स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा लिखे स्पष्टीकरण को संगठन के उपाध्यक्ष जीएस जस्सल द्वारा विचारार्थ रखते हुए कहा गया कि अधूरी परियोजनाएं जिनमे इंटीग्रेटेड ड्रेनेज और सीवरेज स्कीम, स्मार्टरोड,चाइल्ड फ्रेंडली सिटी, स्मार्टपोल, ग्रीन बिल्डिंग की जो योजनाएं अधूरी बताई गई है, उनको प्राथमिकता से पूरा करने हेतु संबंधित ठेकेदारों और अधिकारियों पर लगाम लगायी जानी जरूरी है। कार्यक्रम का संचालन सुशील त्यागी ने कियाइसमे मुख्य अतिथि जस्टिस पीसी अग्रवाल, दीपक नागलिया सहित जनहित में संघर्षरत सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियो में शक्ति प्रसाद डिमरी, ब्रिगेडियर केजी बहल,जितेन्द्र डडोना, ठाकुर आरएस कैनथुरा, विमल प्रकाश नैथानी, अमर सिंह धुनता, अवधेश शर्मा, आशीष गर्ग, मुकेश नारायण शर्मा, पीसी नागिया, जसविंदर कौर, यज्ञभूषण शर्मा, जीएस जीएस जस्सल, बिशमभर नाथ बजाज, परमजीत कक्कड, सुखबीर सिंह, निलेश राठी, लेफ्टिनेंट कर्नल बीएम थापा, देवेंद्रपाल मोंटी, राकेश मिश्रा, बीएस भंडारी, जेपी कुकरेती, एलपी रतूड़ी, जगमोहन मेहंदीरता, अशोक, दीपक शर्मा, विनोद नौटियाल आदि शामिल थे।

स्व. इंद्रमणी बडोनी को जयंती पर कांग्रेसियों ने दी श्रद्धांजलि

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के गांधी स्व. इंद्रमणी बडोनी की जयंती के अवसर पर महानंगर कांग्रेस कमेटी देहरादून के अध्यक्ष जसविंदर सिंह गोगी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने घंटाघर स्थित बडोनी की मूर्ति पर माल्यापर्ण कर नमन किया।

इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष जसविंदर गोगी ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के साथ ही स्वर्गीय इंद्रमणि बडोनी की राज्य के स्वरूप के प्रति सोच व दृष्टि स्पष्ट थी। वह राज्य को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाना चाहते थे। गोगी ने कहा कि राज्य के समग्र विकास में हम सबको सहयोगी बनना होगा। स्वर्गीय बडोनी की जयंती का अवसर हमें उत्तराखंड को विकसित एवं अग्रणी राज्य बनाने की प्रेरणा देता है। प्रदेश उपाध्यक्ष पूरण सिंह रावत ने कहा कि टिहरी गढ़वाल के अखोड़ी गांव में जन्मे बडोनी जमीन से जुड़े राजनेता थे। उत्तराखंड आंदोलन को आकार और दिशा देने में उनकी केंद्रीय भूमिका रही। रावत ने कहा कि 1979 से ही वे पृथक राज्य के आंदोलन में सक्रिय रहे और 1994 मे उन्होंने ऐतिहासिक अनशन भी किया था। जनांदोलन को सफल नेतृत्व देने के कारण ही वाशिंगटन पोस्ट ने उन्हें 'पर्वतीय गांधी' की संज्ञा दी थी। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष एससी विभाग दर्शन लाल, प्रदेश महासचिव मनीष नागपाल,संजय गौतम महानगर अध्यक्ष एससी विभाग, वीरेंद्र चौहान , अनुराग ढौंडियाल प्रभारी सोशल मीडिया, विक्की कुमार ,सावित्री थापा ,मंजू चौहान पूरन सिंह रावत, फैजल खान सहित कई लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वर्गीय इंद्रमणि बडोनी की जयन्ती पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

स्व. इंद्रमणि बड़ोनी की जयंती पर उक्रांद ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल नें आज पहाड़ के गाँधी की 99 वीं जयंती पर पार्टी कार्यालय में उन्हे भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर दल के केंद्रीय अध्यक्ष पूरणसिंह कठैत ने कहा कि

उत्तराखंड राज्य आंदोलन के प्रणेता स्व. बड़ोनी के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता है। 1925 को आज के ही दिन पंडित सुरेशा नन्द बड़ोनी ग्राम अखोड़ी टिहरी गढ़वाल में उनका जन्म हुआ। उन्होने स्नातक की पढ़ाई डीएवी डिग्री कॉलेज से की। 1967 में देवप्रयाग विधानसभा से पहली बार निर्दलीय विधायक चुने गये। उत्तराखंड आंदोलन का नेतृत्व करते हुए आंदोलन को अहिंसक आंदोलन बनाया। इस अवसर पर दल के वरिष्ठ नेता, पूर्व अध्यक्ष, पूर्व विधायक काशी सिंह ऐरी व पुष्पेंश त्रिपाठी नें स्व. बड़ोनी को नमन किया। श्रद्धांजलि के पश्चात् दल के अध्यक्ष पूरणसिंह कठैत के नेतृत्व में मूलनिवास, भू कानून महारैली में दल बल के साथ सैकड़ो कार्यकर्ताओं के साथ परेड ग्राउंड महारैली में पहुंचे।

दून की सड़कों पर उमड़ा..

◄◄ पृष्ठ 1 का शेष

हो लेकिन राज्य में जिस तरह से राज्य की जमीनों की लूटपाट हुई है और सरकारों ने अभी तक ऐसा सशक्त भू कानून नहीं बनाया है और न इस लूट पाट को रोकने का प्रयास किया है उससे प्रदेश के लोगों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों द्वारा मूल निवास प्रमाण पत्र को समाप्त कर बाहर के लोगों को राज्य में जिस तरह से घुसपैठ का मौका दिया गया उसके कारण 40 लाख बाहरी लोग राज्य में आकर बस गए। जिसके कारण राज्य के लोगों के हक हकूक पर डाका मारी होती रही है।

उन्होंने कहा कि मूल निवास की कट ऑफ डेट को जब तक 26 जनवरी 1950 नहीं किया जाता है उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि हमने अपने जल-जंगल और जमीन के अधिकारों के लिए राज्य आंदोलन की लड़ाई लड़ी थी लेकिन राज्य बनने के बाद हमारे जल जंगल और जमीन ही सुरक्षित नहीं बचेंगे तो हम उत्तराखंड के लोग कहां जाएंगे। इस आंदोलन में शामिल लोगों की मांग है कि हमें सरकार से समितियां का गठन नहीं चाहिए हमें तो सरकार यह बताएं कि वह राज्य में कब एक सशक्त भू कानून ला रही है जिससे जमीनों की लूटपाट रोकी जा सके और कब मूल निवास पर कानून लाया जा रहा है जिससे नौकरियों में बाहरी लोगों पर रोक लगाई जा सके।

महारैली में भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के तमाम इंतजाम किए गए थे लेकिन जैसे-जैसे रैली परेड ग्राउंड से आगे निकली सभी इंतजाम ध्वस्त नजर आए। भारी भीड़ के कारण पूरा शहर जाम हो गया। रैली शहीद स्थल पर जाकर समाप्त हुई रैली में उमड़ी हजारों की भीड़ व ढोल नगाड़े के साथ आए लोगों ने 1994 के राज्य आंदोलन की यादों को ताजा कर दिया।

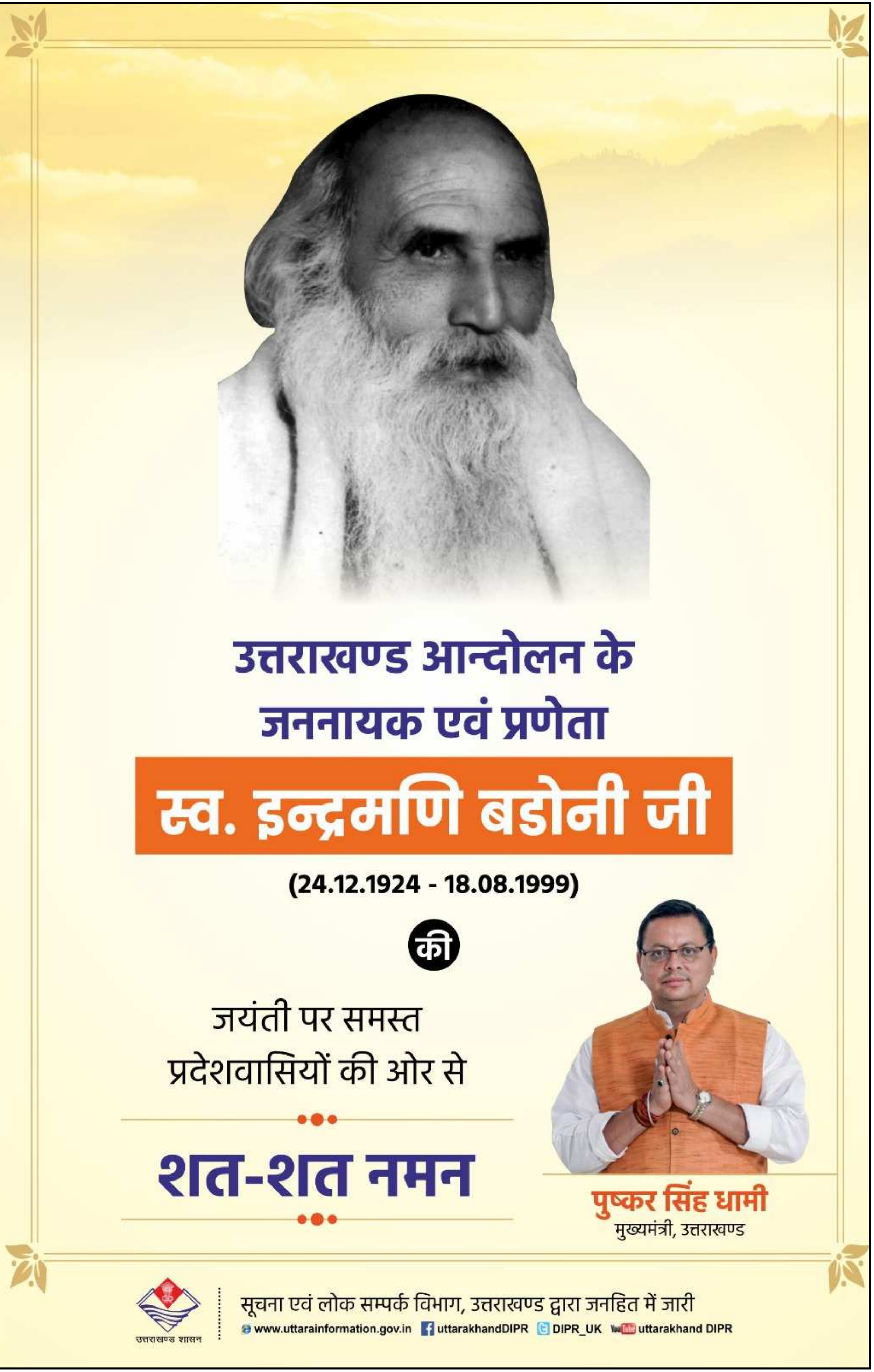

एक नजर

सरकार से नहीं एक आदमी से है पूरी लड़ाई: साक्षी मलिक

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को हाल ही में नया अध्यक्ष मिला था। लेकिन दो दिन बाद ही डब्ल्यूएफआई को बड़ा झटका लगा है। खेल मंत्री ने नई डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया है। इसी के साथ चुने हुए लोगों का विरोध करने वाले लोगों ने खुशी जाहिर की है। इन चुनावों के बाद ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक ने कुश्ती से संन्यास ले लिया था। बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट ने भी अपनी नाराजगी जाहिर की थी। डब्ल्यूएफआई के निलंबन के बाद रियो ओलिंपिक-2016 में कांस्य पदक जीतने वाली साक्षी मलिक ने कहा है कि वह चाहती हैं कि लड़कियों के साथ इंसाफ हो। उन्होंने कहा कि इससे आगे वह क्या कदम उठाएंगी इस पर फैसला वह अपनी पूरी टीम के साथ मिलकर लेंगी। उन्होंने कहा कि ये पहला कदम है जो अच्छा रहा है और साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई है कि सरकार इस बात को समझे कि बहन-बेटियां किस बात के लिए लड़ रही हैं। साक्षी ने कहा कि उनकी लड़ाई सरकार से नहीं है बल्कि एक शख्स से है। हमारी लड़ाई महिलाओं से थी। हम अपने तरीके से ये लड़ाई लड़ रहे हैं। वहीं विनेश फोगाट ने मशहूर शायर साहिल लुधियानीवी के एक शेर को फोटो पोस्ट किया है जिसमें लिखा है, इस बात का सबर है। ऊपर वाले को सब खबर है।

यमन के पास एक और जहाज पर ड्रोन से हमला

नई दिल्ली। अरब सागर में इजरायल से संबंधित जहाज पर ड्रोन अटैक का केस अभी सुलझा भी नहीं है कि अब यमन के पास एक और जहाज को निशाना बनाया गया है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस के मुताबिक यमन के सलीफ बंदरगाह से करीब 45 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में बाब अल-मंडब स्ट्रेट (जलडमरूमध्य) के पास जहाज को निशाना बनाया गया है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस के मुताबिक लाल सागर में आगे बढ़ रहे इस जहाज के नजदीक अनमैन्ड एरियल व्हीकल का जोरदार धमाका हुआ। हालांकि, एजेंसी का दावा है कि जहाज को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचा है और चालक दल के सभी सदस्य भी सुरक्षित हैं। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंसके अधिकारियों को कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि यह जहाज कहां से आ रहा था और किस तरफ जा रहा था। इसके अलावा इस बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिली है कि जहाज का ताल्लुक किस देश से है। हालांकि, बताया जा रहा है कि यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने जहाज के क्रू मेंबर्स को पहले ही एडवाइज दी थी कि वह यमन के करीब से गुजरते समय अतिरिक्त सावधानी बरतें।

एआईएमआईएम नेता आरिफ जमाल की गोली मारकर हत्या

सीवान। बिहार में बेखौफ बदमाशों ने एक बार फिर हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। शनिवार की देर शाम सीवान में बदमाशों ने एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष आरिफ जमाल को गोली मारकर मौत के घाट उतार दिया। घटना हुसैनगंज थाना क्षेत्र के कुतुब छपरा मोड़ की है। आरिफ जमाल अपनी दुकान पर बैठे हुए थे। इसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन अज्ञात बदमाश पहुंचे और गोली मार दी। आरिफ जमाल (उम्र 40 साल) की फास्ट फूड की दुकान है। यह घटना 8.30 से 9 बजे के आसपास की बताई जा रही है। गोली मारने के बाद बाइक सवार बदमाश फरार हो गए। आनन-फानन में आरिफ जमाल को घायल अवस्था में लोगों ने एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। यहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। इस मामले में हुसैनगंज थानाध्यक्ष विजय यादव ने बताया कि आरिफ जमाल की अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी है। सूचना मिली है कि वो दुकान पर बैठे हुए थे तभी बाइक सवार अपराधियों ने उनके ऊपर गोली चला दी। गोली उनके पेट में लगी थी। स्थानीय लोग और परिजन उन्हें लेकर अस्पताल पहुंचे जहां उनकी मौत हो गई। मामले की जांच की जा रही है। बताया जाता है कि बदमाशों ने आरिफ जमाल के पेट में एक ही गोली मारी है। घटना के बाद लोग पहले सदर अस्पताल में लेकर गए थे। इसके बाद यहां से लेकर एक निजी अस्पताल में चले गए। निजी अस्पताल में ही मौत की पुष्टि की गई है। घटना के बाद परिवार वालों में कोहराम मच गया है।

डेढ़ किलो चरस सहित दो टैक्सी चालक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। लाख कोशिशों के बावजूद राज्य में नशा तस्करी थमने का नाम नहीं ले रही है। बीते रोज भी एसओजी/एएनटीएफ द्वारा कार्यवाही करते हुए दो नशा तस्करों को डेढ़ किलो से भी अधिक चरस सहित गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार दोनो लोग टैक्सी ड्राइवर है जो नशा तस्करों के सम्पर्क में आने के बाद चरस तस्करी को अंजाम दे रहे थे।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी/एएनटीएफ टीम को सूचना मिली कि लोहाघाट क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले सामान की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी/एएनटीएफ टीम द्वारा क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान टीम को बलाई जाने वाले रास्ते एनएच-125 पर दो संदिग्ध व्यक्ति आते हुए दिखायी दिये। टीम ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक किलो 600 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उन्होने अपना नाम सलीम पुत्र जलील खा निवासी वार्ड नंबर 5 नई बस्ती कोतवाली टनकपुर जनपद चम्पावत व जाकिर हुसैन पुत्र हकीमत तुल्ला निवासी लाल इमलीपड़ाव वार्ड नंबर 7 कोतवाली टनकपुर चम्पावत बताया। बताया कि वह टैक्सी ड्राइवरों की एब्जी में ड्राइवर का काम पर्वतीय क्षेत्रो में करते है। ट्रैक्सी ड्राईवर का काम करते करते वह चरस तस्करो के सम्पर्क में आकर छोटी -छोटी मात्रा में चरस ले जाकर मैदानी इलाको में बेचकर मुनाफा कमाने लगें। लालच बढ़ने पर थोड़ी अधिक मात्रा में चरस का कारोबार करने लगे आज भी चरस ले जा रहे थे की पकड़े गयें। बहरहाल उनके खिलाफ थाना लोहाघाट में एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

लूट की झूठी सूचना देने वाले पर की पुलिस ने कार्यवाही

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। लूट की झूठी सूचना देना एक व्यक्ति को भारी पड़ गया। पुलिस द्वारा उसके खिलाफ 81 पुलिस एक्ट में चालानी कार्यवाही की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीती शाम थाना कनखल पुलिस को सूचना मिली कि जगदीशपुर में बाइक सवार दो लोगों द्वारा एक व्यक्ति से बैग छीना गया है जिसमें 30 से 40 हजार रुपए की नगदी और 30 लाख का सोना रखा था। मामले की गम्भीरता को देखते हुए थाना कनखल पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी गयी। घटना स्थल का निरीक्षण करने पर पुलिस को मामला संदिग्ध लगा। जिस पर पुलिस ने शिकायतकर्ता तनवीर अहमद से ही पूछताछ शुरू कर दी गयी। जिसने बताया कि उसके ऊपर करीब 60 हजार रूपये का कर्जा है। शारीरिक रूप से बहुत कमजोर होने, कम तनख्वाह और बच्चों के लालन-पालन के खर्चे से परेशान होकर उसने यह कदम उठाया है। हकीकत सामने आने पर कनखल पुलिस ने आरोपी का 81 पुलिस एक्ट में चालान कर माफीनामा लिया गया।

शहर में जाम ही जाम: एसएसपी की गाड़ी भी जाम में फंसी

संवाददाता

देहरादून। परेड ग्राउंड से निकलने वाली दो रैलियों के चलते शहर में हर जगह जाम ही जाम दिखायी दिया यहीं नहीं एसएसपी का वाहन भी जाम में फंस गया और पुलिस कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद जाम खुलवाकर एसएसपी के वाहन को रवाना किया।

आज यहां परेड ग्राउंड से मूल निवास स्वाभिमान रैली का विभिन्न दलों व संगठनों ने आहवान किया है तो वहीं भाजपा के द्वारा भी रैली का आयोजन किया गया है। जिसके चलते काफी संख्या में लोग इन रैलियों में शामिल होने के लिए दूर दराज के क्षेत्रों से परेड ग्राउंड में एकत्रित होने के आ रहे हैं जिसके चलते शहर के मुख्य चौराहों पर जाम लगना शुरू हो गया। सर्वे चौक, कनक चौक, ओरियन्ट चौराहा, घंटाघर, दर्शन लाल चौक के साथ ही दून चिकित्सालय चौक में जाम लगना शुरू हो गया जिससे वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पडा। यही नहीं एसएसपी अजय सिंह का वाहन भी दून चौक पर जाम में फंस गया। एसएसपी के वाहन के जाम में फंसने पुलिस कर्मियों होश उड गये और उन्होंने आनन फानन में काफी मशक्कत के बाद एसएसपी के वाहन को रवाना कराया। लेकिन देर सांय तक लोगों को जाम के झाम को झेलना पडा।

शराब के साथ 2 गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ 2 लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। रायपुर पुलिस ने मालदेवता पीएनबी वाली गली के पास एक व्यक्ति को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 54 पव्वे शराब के बरामद कर लिये। पूछताछ में उसने अपना नाम बंटी सोनकर पुत्र किशोरी लाल निवासी चुक्खुवाला बताया। वहीं नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने एक युवक को 52 पव्वे शराब के साथ गिरफ्तार किया। जिसने अपना नाम मोहित रावत पुत्र राम सिंह रावत निवासी गढवाली कालोनी बताया।

एक किलो चरस सहित एक..

◀◀ पृष्ठ 6 का शेष

डिपो मोड़ पर एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। जो पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक किलो पांच ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम सुरेन्द्र सिंह पुत्र रणवीर सिंह निवासी देवजानी मोरी उत्तरकाशी बताया। बताया कि वह चरस को खुद तैयार कर देहरादून में उचित दाम पर बेचने ले जा रहा था। बहरहाल पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है। बरामद चरस की कीमत लगभग दो लाख रूपये बतायी जा रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।